बिन हरि नाम गुजारा नहीं रे बावरे मन किनारा नहीं लिरिक्स

बिन हरि नाम गुजारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं।bd।

तर्ज – ज्योत से ज्योत।

नाव पुरानी चंचल धारा,
मौसम तूफानों का,
खेते खेते हिम्मत हारी,
डगमग डोले नौका,
प्रियतम को जो पुकारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं।bd।

फसता क्यों जाता माया में तू,
ये है नागिन काली,
डस जाएगी बचाकर रहना,
चौतरफा मुंह वाली,
फिर ये जनम दोबारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं।bd।

अब तो तू बस इस नैया को,
कर दे श्याम हवाले,
बस की बात नहीं बन्दे की,
वो दातार संभाले,
झूठा अहम् गवारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं।bd।

ये मौका भी चूक गया तो,
क्या है आनी जानी,
श्याम बहादुर शिव जागे नींद से,
जीवन ओस का पानी,
कल का होना भरोसा नहीं,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रे बावरे मन किनारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं।bd।

बिन हरि नाम गुजारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं,
रे बावरे मन किनारा नहीं।bd।

Singer – Manoj Agarwal

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com